झारखण्ड सरकार
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

मिशन इंद्रधनुष की सफलता के लिए सिविल सर्जन और डीआरसीएचओ को तालमेल बिठाकर काम करना होगा : निधि खरे

रांची, 7 जून, 2018: स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव निधि खरे ने कहा कि जहां दूसरे राज्य 4 या 6 जिलों में मिशन इंद्रधनुष का अभियान चला रहे हैं हम 19 जिलों में यह अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिविल सर्जन और डीआरसीएचओ में तालमेल बेहतर नहीं होगा तो अभियान अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकेगा। ये एक ऐसा मौका है कि आपको टीम बनानी है और सभी को साथ लेकर चलनेवाले लीडरशिप विकसित करना है। श्रीमति खरे बृहस्पतिवार 7 जून को होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित ग्राम स्वराज अभियान के अंतगर्त मिशन इंद्रधनुष के राज्य कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित कर रही थीं। मिशन इंद्रधनुष का पहला फेज 16 जुलाई, दूसरा फेज 13 अगस्त और तीसरा फेज 10 सितंबर से सात कार्यदिवस तक चलाया जायेगा और इस दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के सभी गांवों में शून्य से दो वर्ष के सभी बच्चों का टीकाकरण किया जायेगा।

प्रधान सचिव ने कहा कि पिछली बार चलाये गये अभियान की गलतियों को इस बार नहीं दोहरायें। लॉजिस्टिकली हमें पूरी तरह से तैयार रहना होगा। ग्राम स्वराज अभियान के अंतगर्त मिशन इंद्रधनुष चरण दो के इस वर्कशॉप में ग्राम स्वराज अभियान को देशभर में मिली सफलता से प्रेरणा मिली है। ये माना गया कि डेस्टिनेशन डिस्ट्रिक्ट्स हैं जहां स्वास्थ्य, एजुकेशन, इनवायरनमेंट, और इकोनॉमिक एक्टिविटी की कमी है वहां निश्चित रूप से जो सामान्य स्वास्थ्य सेवायें हैं वो भी कम होंगी। इसी अवधारणा के साथ मिशन इंद्रधनुष को योजना के साथ तैयार किया गया है। इस अभियान में सात अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लिया गया है। जिसे मिशन इंद्रधनुष के माध्यम से लागू किया जायेगा। श्रीमति खरे ने कहा कि जो बच्चे वैक्सिनेसन से छूट जाते हैं उन्हें हमें इस अभियान से जोड़ना होगा। उन्होंने बताया कि हमारे राज्य में 19 एस्पिरेशनल जिले हैं जहां मिशन इंद्रधनुष का अभियान चलाया जायेगा। हमें यह सुनिशिचित करना होगा कि वर्कशॉप में जो बातें कही गयीं, उन सभी को अपडेट करें। हम सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को ट्रेनिंग नहीं दे सकते इसलिए अब आप सभी डीआरसीएचऔर और सिविल सर्जन अपने जिलों में जाकर स्वास्थ्य कर्मियों को ये सभी बातें बतायेंगे, उन्हें ट्रेंड करेंगे। श्रीमती खरे ने कहा कि आप सभी स्टेकहोल्डर्स को साथ लेकर काम करेंगे।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जिलों को माइक्रोप्लानिंग तरीके से बनानी होगी। मानिटरिंग और बेस्ट सुपरविजन करना होगा।

प्रधान सचिव निधि खरे ने कहा कि अभियान के दौरान सभी पदाधिकारी केंदों पर जाकर देखें कि टीके ठीक से लगाये जा रहे हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा मॉनिटरिंग कर लोगों में विश्वसनीयता जगानी होगी। टीकाकरण के दौरान किसी तरह की मदद की आवश्यकता होने पद तुरंत मदद पहुंचाने की व्यवस्था करनी होगी। सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण सुनिश्चित करना होगा। जो बार बार गलतियां करते हैं उन्हें चिहिन्त कर उनके लिए अलग से प्रशिक्षण की व्यवस्था करें। प्रधान सचिव ने कहा कि वाट्सएप पर कार्यक्रम से संबंधित विडियो भेजें ताकि एक महिला अपने घर पर देख सके कि किस तरह टीकाकरण होता है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के दौरान होने वाली गलती को गंभीरता से लें और ऐसे कर्मचारियों को दंडित करें। प्रधान सचिव ने कई जिलों से 48 घंटे के अंदर इम्युनाइजेशन फिल्ड वालिंटियरर्स की नियुक्ति के संबंध में जानकारी मांगी है। उन्होंने सभी आईईसी एक्टिविटिज समय पर पूरा करने का निर्देश दिया है। डिस्ट्रिक्ट लेवल टास्क फोर्स की मिटिंग समय पर पूरा करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रांची, गिरिडीह, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, धनबाद जैसे जिलों में पुख्ता तैयारी करनी होगी। उन्होंने कहा कि कुछ जिलों ने अच्छा काम किया है लेकिन डाटा अपलोड नहीं किया है जिससे उन जिलों के प्रति गलत संदेश जाता है।

सबसे ज्यादा एसपिरेशनल डिस्ट्रिक्ट झारखंड राज्य में हैं इसलिए अभियान को सफल बनाने के लिए झारखंड की ओर सभी देख रहे हैं। गाइडलाइन्स के अनुसार काम करें और सभी को साथ लेकर चलें तो हम निश्चित रूप से सफल होंगे।

अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कृपानंद झा ने कहा कि पहले चरण में दो जिलों में अभियान शुरू किया गया था। इस बार मिशन इंद्रधनुष को ग्राम स्वराज अभियान में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि समय पर टास्क फोर्स की बैठक नहीं होने से नकारात्मक संदेश जाता है। सिविल सर्जन फाइल बढ़ाकर उपायुक्त के पास भेजें आपको समय मिल जायेगा। श्री झा ने कहा कि अभियान के दौरान और उसकी तैयारियों के समय छोटी छोटी गलती बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए जिलों में सभी विभागों के सहयोग की आवश्यकता होती है इसलिए ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार होना चाहिए। कृपानंद झा ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक के बाद ड्यु लिस्ट तैयार करते हैं जिससे कार्यक्रम की सफलता तय होती है। श्री झा ने कहा कि विजिबिलिटि ऑफ बूथ के लिए आईईसी मेटेरियल पहले से तैयार रखें।

कार्यशाला में डॉ सुमंत मिश्रा, डॉ पुष्पा मारिया बेक, डॉ अजीत प्रसाद, डॉ प्रदीप बास्की, डॉ बीणा सिन्हा, डॉ विशेष कुमार, डॉ अरूण कुमार, डॉ प्रवीण कर्ण, डॉ विनेश माथुर, अकई मिंज, अजय कुमार शर्मा, रणजीत कुमार वर्मा और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग